NCERT SOLUTIONS

CLASS - 6TH

aglasem.com

Class : 6th
Subject : हिन्दी
Chapter : 17
Chapter Name : सांस सांस मैं भांस

Q1 बाँस को बूढ़ा कब कहा जा सकता है? युवा बाँस में कौन सी विशेषता होती है जो बूढ़े बाँस में नहीं पाई जाती?

Answer. बूढ़े बाँसों का इस्तेमाल टोकरी या अन्य छोटी चीज़े बनाने के लिए नही किया जा सकता है। इसिलए एक से तीन साल तक के बाँसों को इस्तेमाल में लाया जाता है। वो आसानी से मुड़ जाते हैं और मुलायम भी होते हैं जब कि बूढ़े बाँस सख़्त और मजबूत।

Page : 122 , Block name : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 20 से 25 शब्दों में लिखिए।

Q2 बाँस से बनाई जाने वाली चीजों में सबसे आश्चर्यजनक चीज़ तुम्हें कौन सी लगी और क्यों?
Answer. मैंने बाँस से बनी हुई बहुत सारी चीज़ें देखी है। जिसे देखकर मैं हैरान सा रह जाता हूँ। उनमें से एक है टोपी, सर की टोपी जिसे अक्सर गर्मी के दिनों में लोगों को पहनकर घूमते हुए देखा जा सकता है। उसे पहनकर न धूप लगती है और न पसीना ही आता है सर से।

Page : 122 , Block Name : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 20 से 25 शब्दों में लिखिए।

Q3 बाँस की बुनाई मानव के इतिहास में कब आरंभ हुई होगी?
Answer. बाँस के टोकरी या बाँस को किसी तरह के उपयोग में लाने का काम बहुत बाद में जब इंसान एक जगह घर में रहने लगा होगा और उसे एक जगह समान और किन्हीं चीज़ों को इकठ्ठा करके रखने के लिए कुछ चाहिये होगा तब बाँस के उपयोग के बारे में उसको सुझा होगा।

Page : 122 , Block Name : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 20 से 25 शब्दों में लिखिए।

Q4 बाँस के विभिन्न उपयोगों से संबंधित जानकारी देश के किस भू-भाग के संदर्भ में दी गई है? एटलस में देखो।
Answer.
भारत के उत्तरपूर्व में स्थित राज्यों में बाँस का उपयोग बहुत अधिक मात्रा में होता है। ज्यादातर चीज़ों में बांस और उससे बने चीज़ों का ही प्रयोग किया जाता है। उत्तर पूर्व में स्थित राज्यों के नाम हैं- अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड, मिजोरम, मणिपुर, त्रिपुरा। इन राज्यों का पता छात्र स्वयं एटलस में कर सकते है ।

Page : 122 , Block name : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

Q1 बाँस के कई उपयोग इस पाठ में बताए गए हैं लेकिन बाँस के उपयोग का दायरा बहुत बड़ा है। नीचे दिए गए शब्दों की मदद से तुम इस दायरे को पहचान सकते हो-

1.संगीत
2.मच्छर

3.फर्नीचर
4.प्रकाशन
5.एक नया संदर्भ

Answer.
1.संगीत- बाँसुरी और शहनाई दो ऐसे संगीत के यंत्र है जिसको बनाने में बाँस का प्रयोग किया जाता है।

2.मच्छर- बाँस के फट्टे का उपयोग मच्छरदानी लगाने में प्रयोग किया जाता है।

3.फ़र्नीचर- बाँस से फ़र्नीचर बनाया जाता है।

4.प्रकाशन- किताबों के प्रकाशन के लिए बाँस से कागज बनाया जाते है।

5.एक नया संदर्भ- बरतन, खिलौने, मकान, अचार भी बनाया जाता है।

Page : 122 , Block Name : निम्नलिखित प्रश्नों के उपयोग लिखिए।

Q2 इस लेख में दैनिक उपयोग की चीज़ें बनाने के लिए बाँस का उल्लेख प्राकृतिक संसाधन के रूप में हुआ है। नीचे दिए गए प्राकृतिक संसाधन से दैनिक उपयोग की कौन-कौन सी चीज़ें बनाई जाती है –
प्राकृतिक संसाधन दैनिक उपयोग की वस्तुएँ
• चमड़ा ……
• घास के तिनके ……
• पेड़ की छाल ……
• गोबर ……
• मिट्टी ……

इनमें से किन्हीं एक या दो प्राकृतिक संसाधनों का इस्तेमाल करते हुए कोई एक चीज़ बनाने का तरीका अपने शब्दों में लिखो।
Answer.

- चमड़ा-- जूता, बैग, पर्स, बेल्ट एवं बहुमूल्य वस्तुओं की कवर।
- घास के तिनके- चटाई, खिलौना, टोकरी इत्यादि।
- पेड़ की छाल- कागज़, अगरबत्ती, वस्त्र इत्यादि।
- मिट्टी- बरतन, मकान, खिलौना, गुल्लक इत्यादि।
- गोबर- उपले, घर की लिपाई-पुताई, खाद इत्यादि।

aglasem.com

मिट्टी का इस्तेमाल गुल्लक बनाने के लिए भी किया जाता है। कुम्हार मिट्टी को गिला करके उसका लोंदा तैयार करता है। फिर अपने चकरी पर डालकर गुल्लक का शेप देता है। फिर उसे सुखाकर पकाया जाता है आग में। उसके बाद उसे मनपसंद रंग से रंगा जाता है।

Page : 122 , Block Name : निम्नलिखित प्रश्नों के उपयोग लिखिए।

Q3 जिन जगहों की साँस में बाँस बसा है, अखबार और टेलीविज़न के ज़रिए उन जगहों की कैसी तस्वीर तुम्हारे मन में बनती है?

Answer. जिन जगहों की साँस में बाँस बसा है वहाँ के लोग पूरी तरीके से बाँस के कारोबार पर निर्भर रहते है। वहाँ बाँस के सिवा और कोई व्यवसाय ज्यादा फल फूल नही रहा है। उसके बने अलग अलग पदार्थ और चीज़ों के खरीद बिक्री का पता या तो अखबार से या फिर टेलीविजन से पता चलता है। विभिन्न पत्र पत्रिकाओं से भी पता चलता रहता है। सरकार ने काफी ज्यादा बाँस के उद्योग को लेकर सक्रिय हुई है। चटाई, जाल, खिलौने, टोकरी, टोपी जैसे चीज़ों को को बनाकर अपना गुजारा चलते हैं।

Page : 123 , Block name : निम्नलिखित प्रश्नों के उपयोग लिखिए।

Q1 इस पाठ में कई हिस्से हैं जहां किसी काम को करने का तरीका समझाया गया है?
जैसे- छोटी मछलियों को पकड़ने के लिए इसे रखा जाता है या फिर धीरे-धीरे चलते हुए खींचा जाता है। बांस की खप्पचियों को इस तरह बाँधा जाता है कि वह एक शंकु का आकार ले ले। इस शंकु का ऊपरी सिरा अंडाकार होता है। निचले नुकीले सिरे पर का खप्पचियाँ एक- दूसरे से गुँथी हुई होती है।

इस वर्णन को ध्यान से पढ़ कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर अनुमान लगा कर दो। यदि अंदाज लगाने में दिक्कत हो तो आपस में बातचीत करके सोचो।

क) बांस से बनाए गए शंकु के आकार का जाल छोटी मछलियों को पकड़ने
के लिए ही क्यों इस्तेमाल किया जाता है?

ख) शंकु का ऊपरी हिस्सा अंडाकार होता है तो नीचे का हिस्सा कैसा दिखाई देता है?

ग) जाल से मछली पकड़ने वालों को धीरे-धीरे क्यों चलना पड़ता है?

Answer.
क)जितना अधिक बड़ा मुँह होगा उतनी ज्यादा मछलियाँ पकड़ी जाएँगी, इसिलए इसका मुँह बाँस से बनाये गए शंकु के आकार का होता है।

ख)शंकु का निचला हिस्सा नुकीला दिखाई देता है।

ग)उसको लेकर चलना मुश्किल होता है क्योंकि अगर वो तेज़ चलेंगे तो मछलियों के वजन के कारण जाल टूट जाएगा और सारी मछलियाँ भाग जाएँगी।

Page : 123 , Block name : अनुमान और कल्पना

Q1 इन वाक्यांशो का वाक्यों में प्रयोग करो।

हाथों की कलाकारी
घनघोर बारिश
बुनाई का सफर
आड़ा तिरछा
डलियानुमा
कहे मुताबिक

Answer.
1.हाथों की कलाकारी- ये तो मेरे बाएं हाथ की कलाकारी है।
2. घनघोर बारिश- इस बार घनघोर बारिश होने वाली है।
3. बुनाई का सफर- टोकरी बाँसों की बुनाई से बनती है।
4. आड़ा तिरछा- आड़ा तिरछा करके ही बाँस को नए नए रूप में ढाला जाता है।
5. डलियानुमा- मेरे घर मे डालियानुमा टोकरी है।
6. कहे मुताबिक- हमे अपने माता पिता के कहे मुताबिक करना चहिये।

Page : 123 , Block name : शब्दों पर ग़ौर

Q1 बनावट शब्द गुण प्रिया में फारवर्ड प्रत्य जोड़ने से बना है। इस प्रकार नुकीला, दबाव, घिसाई भी मूल शब्द में विभिन्न प्रत्यय जोड़ने से बने है। इन चारों शब्दों में प्रत्ययों को पहचानो और उन से तीन तीन शब्द और बनाओ। इन शब्दों का वाक्यों में भी प्रयोग करो-
बुनावट, नुकिला, दबाव, घिसाई

Answer.
1. बुनावट-(बुन+आवट)- बाँस की टोकरी की बुनावट बहुत सुंदर होती है।
अखरावट - अखरावट एक अच्छी पुस्तक है।
पदमावत - पदमावत की नायिका पद्मावती है।
रुकावट - रुकावट के लिए खेद है।

2. नुकीला-(नुक+ईला)- मेरा पेंसिल बहुत नुकीला हो गया है।
मंजीला - मेरा घर तीन मंजिला है।
ज़हरीला - बिच्छू का डंक बहुत ज़हरीला होता है।
मंगरीला - मंगरीला एक तरह का मसाला है।

3. दबाव-(दब+आव)- उसके ऊपर मेरा दबाव बहुत बढ़ गया था।
पथराव - नेता के घर पथराव हुआ है।

aglasem.com

घाव - मेरा घाव अब तक नही भरा है।
जमाव - रास्ते मे मैंने लोगों का जमाव देखा।

4. पिसाई-(पीस+आई)- आटे की पिसाई खत्म हो चुकी है।
गहराई - उस गड्ढे की गहराई लगभग 30 फ़ीट थी।
घबराई - वह लड़की बहुत घबराई सी लग रही थी।
महँगाई - आज महँगाई आसमान छू रही है।

Page : 123 , Block name : व्याकरण

Q2 नीचे पाठ से कुछ वाक्य दिए गए हैं-
क) वहां बाँस की चीज़े बनाने का चलन भी खूब है।
ख) हम यहां बाँस ठीक है दो चीजों का ही जिक्र कर पाए हैं
ग) मसलन आसन जैसी छोटी चीजें बनाने के लिए बाँस को हरेक गठान से काटा जाता है।
घ) खप्पचियो से तरह तरह की टोपियाँ भी बनाई जाती है।

रेखांकित शब्दों को ध्यान में रखते हुए इन बातों को अलग ढंग से लिखो।

Answer.
क) वहां बाँस की चीज़े बनाने की अलग ही रीति है।
ख) हम यहां बाँस की एक दो चीजों का ही वर्णन कर पाए हैं।
ग) उदाहरणार्थ आसन जैसी छोटी चीजें बनाने के लिए बाँस को हर गाँठ से काटा जाता है।
घ) खप्पचियो से भिन्न-भिन्न टोपियाँ भी बनाई जाती है।

Page : 124 , Block name : व्याकरण

Q3 तर्जनी हाथ की किस उंगली को कहते हैं? बाकी उंगलियों को क्या कहते हैं? सभी उंगलियों के नाम अपनी भाषा में पता करो और कक्षा में अपने साथियों और शिक्षकों को बताओ।

Answer. अंगूठे के बगल वाली उंगली को तर्जनी कहते है। अन्य उंगलियों को अँगूठा, मध्यमा, अनामिका, कनिष्ठा कहते हैं।

Page : 124 , Block name : व्याकरण

Q4 अँगुष्ठ, तर्जनी, मध्यमा, अनामिका, कनिष्ठा- ये पाँच उंगलियों के नाम हैं। उन्हें पहचान कर सही क्रम में लिखो।

Answer. पाँचो उँगलियों का सही क्रम अँगूठा, तर्जनी, मध्यमा, अनामिका और कनिष्ठा है।

Page : 124 , Block name : व्याकरण